भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902
डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2023-2025

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक

वर्ष 9 | अंक 02 | उदयपुर गुरूवार 01 फरवरी 2024 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

गांधी ग्राउण्ड में मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने किया ध्वजारोहण

गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित होते पत्रकार मुकेश हिंगड़, लक्की जैन एवं केशूलाल खेर, विहल नाहर, संतलाल अग्रवाल, रामचंद्र, रेणु मोगरा

उदयपुर (ह. सं.)। गणतंत्र दिवस पर गांधी ग्राउण्ड में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृहरक्षा विभाग मंत्री

बाबूलाल खराड़ी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण पश्चात मंत्री खराड़ी ने परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस, एनसीसी, स्काउट व गाइड के छात्र-छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट किया गया। समारोह में एडीएम प्रशासन शैलेश सुराणा ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया।

समारोह में जिला प्रमुख श्रीमती ममता पंवार, विधायक ताराचंद जैन, संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, आईजी अजयपाल लांबा, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी भुवन भूषण, एडीएम सिटी राजीव द्विवेदी, जिला परिषद सीईओ कीर्ति राठौड़, आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त ओ.पी.बुनकर, एनसीसी ग्रुप हेड क्वाटर के गुप कमाण्डर कर्नल भास्कर चक्रवती, ट्रेनिंग ऑफिसर कर्नल अरूणप्रतापसिंह, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल धीरेन्द्रसिंह, पूर्व विधायक नानालाल अहारी व वंदना मीणा, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली, एमबी अधीक्षक आर.एल.सुमन, समाजसेवी चन्द्रगुप्तसिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, शहीद परिजन, प्रबुद्धजन, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी और शहरवासी मौजूद रहे।

समारोह में मंत्री खराड़ी ने शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागौरी के पिता धर्मचन्द्र नागौरी व माता सुशीला नागौरी, शहीद मेजर मुस्तफा की माता श्रीमती फातिमा, शहीद अर्चित वर्डिया की माता बीना वर्डिया, शहीद रतनलाल मीणा की धर्मपत्नी पुष्पादेवी व मोहनलाल तेजावत की पत्नी श्रीमती शंकरदेवी तेजावत को सम्मानित किया। समारोह में 12 विभागों की ओर से विकासपरक झांकियां निकाली गई जिसमें सरकार की विभिन्न योजनाओं व जिले में विकास की तस्वीर को मॉडल्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इन झांकियों में एनसीसी की झांकी और पंचायत समिति बड़गांव की ओर से विकसित भारत संकल्प यात्रा की तस्वीर प्रस्तुत करती झांकी प्रथम स्थान पर रही। संचालन राजेन्द्र सेन, श्रीमती रागिनी पानेरी व श्रीमती सीमा चंपावत ने किया।

नारायण सेवा संस्थान के सभी परिसरों में 75वां गणतंत्र दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। संस्थान के मानव मंदिर में पद्मश्री संस्थापक

कैलाश मानव, सेवाधाम में कमलादेवी अग्रवाल, अंकुर परिसर में अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल तथा सेवामहातीर्थ बड़ी में निदेशक देवेंद्र चौबीसा ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर दिव्यांग, अनाथ एवं प्रज्ञा चक्षु- मूकबधिर बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुतियां दी। इस दौरान निदेशक वंदना अग्रवाल, राकेश शर्मा, अनिल आचार्य, प्राचार्य अर्चना गोवलकर, जसबीर सिंह, नरेंद्र सिंह, बंसीलाल मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान जिंक के प्रधान कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह उत्साह के साथ मनाया गया। जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं वेदांता के कार्यकारी निदेशक अरूण मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को गणतंत्र की शुभकानाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश को प्रतिस्पर्धी रहना है और

हिन्दुस्तान जिंक इसको काफी महत्व देता है। कर्मचारियों की कौशल एवं उत्पादकता ही देश के विकास का रास्ता है। नवाचार एवं तकनोलॉजी का उपयोग करके आगे बढ़ने के लिए दिशा परिवर्तन करके आगे बढ़ना है। सरकार भी इस चीज को बढ़ावा दे रही है ताकि खपत, उत्पादन और विनिर्माण बढ़े। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने (कल्पवृक्ष एवं रूद्राक्ष) पौधारोपण भी किया।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

GMCH
GEETANJALI HOSPITAL
HEALTH IS HAPPINESS

NABH H-2018-0535 · MC-3451 · NABH BB-2022-0130 · NABH E-2023-0051

मस्तिष्क की संरचना जटिल है, इसके इलाज से समझौता ना करें।

न्यूरोलॉजिस्ट
डॉ. अनीस जुक्करवाला · डॉ. रेणु खमेसरा
डॉ. विनोद मेहता · डॉ. निशान्त अश्वनी

ब्रेन व स्पाइन सर्जन
डॉ. गोविन्द मंगल
डॉ. गौरव गुप्ता

न्यूरो वैस्कुलर इन्टरवेंशनल रेडियोलोजिस्ट
डॉ. सीताराम बारठ

न्यूरो एनेस्थेटिस्ट एवं इन्टेंसिविस्ट
डॉ. नीलेश भटनागर · डॉ. आशीष पटियाल

आई.सी.यू. इन्टेंसिविस्ट
डॉ. संजय पालीवाल · डॉ. शुभकरन शर्मा
डॉ. सैयद जावेद

संभाग की सबसे उत्कृष्ट न्यूरोसाइंस सुविधायें

40 सफल मिर्गी सर्जरी

स्ट्रोक (लकवा) एक इमरजेंसी है, गीतांजली हॉस्पिटल है 24X7 स्ट्रोक रेडी

- पार्किंसंस क्लिनिक
- वर्टिगो क्लिनिक
- एवीएम सर्जरी व एम्बोलोइजेशन
- स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी
- स्लीप स्टडी
- ई.ई.जी./इ.एम.जी./एन.सी.वी.
- न्यूरो नेविगेशन व न्यूरो एंडोस्कोपी
- 40–आई.सी.यू. बेड
- 03 ऑपरेशन थिएटर
- 3.0 टेस्ला एम.आर.आई. एवं 256 सी.टी. स्कैन

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS)

- भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) • उत्तर पश्चिमी रेलवे (NWR) • कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) • हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL)
- स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI) • भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • भारतीय खाद्य निगम (FCI) • भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)
- राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMM) • सभी महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत है।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
नेशनल हाईवे–8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.)
+91 294 250 0044
www.geetanjalihospital.co.in

शब्द रंजन
उदयपुर, गुरूवार 01 फरवरी 2024

सम्पादकीय

यत्र तत्र सर्वत्र रामत्र

देवों में सबसे बड़े देव राम हैं तो मानवों में भी सबसे बड़े राम ही हैं। राम सर्वत्र हैं, सर्वज्ञ हैं इसलिए हर जगह, हर समय राम की जय-जयकार है। त्रेतायुग तो हमने नहीं देखा पर इस युग में 22 जनवरी को अयोध्या के राम मन्दिर में रामलला 'बालक राम' की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे विश्व को राममय होते देखकर जो अनुभूति हुई वह इस बात की गवाह है कि राम सचमुच के जन-मन के घर-घर के राम हैं।

राम हमारी संस्कृति और संस्कारों के सनातन सर्वोदय हैं। वे हमारी चेतनाशील आस्था के आलम्बन हैं। हमारी धारित्री के धरणेन्द्र हैं। उन्होंने जो आदर्श और जीवनाचार दिखाया, इतिहास में अन्य कोई दूसरा नहीं है। राम चाहते तो बड़े पुत्र होने के नाते अयोध्या की राजगद्दी पर आसीन हो सकते थे पर अपने परम प्रतापी पिताश्री के सहज सत्य पर अपने अधिकार और कर्त्तव्य की पोटली को एक तरफ रख, अयोध्या धाम को त्यागकर वैरागी बन गये। इससे पिता द्वारा माता कैकयी को दिये गये वरदान का पालन भी हो गया और माता कैकयी की मनोच्छा भी पूर्ण हो गई।

इस घटना का किसी परिजन ने विरोध नहीं किया। बवंडर का कोई बुलबुला नहीं उठा। किसी के मन में यत्किंचित भी विरोधाभास की तड़तड़ी नहीं छूटी। न तीनों रानियों का आपसी द्वेष और ईर्ष्याभाव प्रकट हुआ और न तीनों भाइयों में कोई राज-लिप्सा की तू-तू, मैं-मैं का तडंगा उछला। बड़े भैय्या का निर्णय सबने सर आंखों पर लिया। कैकयी चाहती थी भरत को राजगद्दी मिले पर रामभक्त भरत ने मां की बात भी रखली और बड़े भाई के बड़प्पन की छत्रछाया में अपने बड़प्पन को भी कोई आंच नहीं लगने दी।

इधर लक्ष्मण कैसे रामजी के बिना आराम से रह सकते थे सो बड़े भैय्या के साथ वनवास हो लिये। भाई-भाई का धूप-छांह जैसा प्रेम राम-लक्ष्मण का अंत तक देखने को मिला। उनके आपसी स्नेहाचार का लक्ष्मण की पत्नी ने एकांतवास भोगकर महलों में रहकर भी विरागी-सा जीवन जिया। शेष तीन भाई तो अपनी-अपनी पत्नियों के साथ रहे।

विरागी बन जंगल में लक्ष्मण रहे तो राम की चरण-पादूका रख सेवक के रूप में रामकाज चलाने वाले भरत भी राजगद्दी पर आसीन नहीं हो विरागी रहे। इसीलिए भरत की मां कैकयी यद्यपि लोक समाज में तो 'रानी तूने जुलम कर डाला वनमां भेजे सीताराम' और 'राम बिना मोरी सूनी अयोध्या, लछमण बिन ठकुराई। सीता बिना मोरा सूना रसोड़ा कौन करे चतुराई' की धुन पर ख्याल-रास प्रदर्शित होने लगे पर साहित्यिकों ने तो 'सौ बार धन्य वह एक लाल की मांई, जिस जननी ने है जना भरत सा भाई' कहकर कैकयी और भरत दोनों का आदर्श चरितार्थ किया।

राजपरिवार का ऐसा अद्भुत घटनाक्रम किसी अन्य राजपरिवार में नहीं घटा इसीलिए राम हमारे सबके ही नहीं, पूरे विश्व के वन्दनीय हैं। अनेक देशों में रामजीवन को लेकर रामायण लिखी गईं। रामजीवन को लेकर विविध रूपों में आख्यान-कथाओं का प्रचलन मिलता है। विविध नृत्य प्रदर्शनों में उनके जीवन-प्रसंगों की विविध भाव-भंगिमाओं की प्रस्तुति देखने को मिलती है और उनकी जीवन लीलाओं के विविध मंचन देखकर न केवल लोकसमाज अभिभूत होता है अपितु अनेक रूपों में उनकी जीवनी से सीख-शिक्षा प्राप्त कर अपना जीवन सुखमय करता है।

रामजीवन को लेकर अनेक मनीषियों ने काव्य-रचना की है पर तुलसीदासजी ने रामचरित मानस लिखकर न केवल राम को जन-जन के घर-घर का जीवनाधार बनाया अपितु अपना भी उद्धार हुआ व्यक्त किया। इस प्रकार-

राम सौ बड़ो है कौन, मौसा कौन छोटो?
राम सौ खरो है कौन, मौसो कौन खोटो?

गणतंत्र दिवस पर सभी विद्वानों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं सहयोगियों को हार्दिक बधाई।

तारा संस्थान में वरिष्ठजनों का सम्मान

उदयपुर (ह. सं.)। तारा संस्थान एवं महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में भव्य वरिष्ठजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें 90 वरिष्ठजनों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के सचिव भंवर सेठ ने कहा कि आप लोगों ने मानवसेवा के रूप में जो काम किया किया है वह केवल उदयपुर में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सेवा के कार्य से अपनी पहचान बनाई है। आपने इस वृद्धाश्रम को प्रारम्भ करके वृद्धों का ही मान नहीं बढ़ाया बल्कि उदयपुर का मान बढ़ाया है। विशिष्ट अतिथि कोषाध्यक्ष वरदान मेहता ने कहा कि तारा संस्थान जिस प्रकार की सेवा का काम कर रहा है वह बहुत ही सराहनीय कार्य है।

तारा संस्थान की संस्थापक श्रीमती कल्पना गोयल ने कहा कि संस्थान में पूरे भारत के वृद्धजन सम्मान से रहते हैं। संस्थान के उदयपुर के अलावा प्रयागराज और काशी विश्वनाथ मंदिर में भी आश्रम हैं जहाँ 250 बुजुर्ग सम्मान पूर्वक रहते हैं। यहाँ वृद्धों को बहुत सम्मान के साथ यहाँ रखा जाता है। यहाँ सभी के चेहरे पर संतुष्टि का भाव है। तारा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेश मित्तल ने बताया कि संस्थान 5 आँखों के अस्पताल के माध्यम से प्रतिवर्ष 25000 से अधिक मोतियाबिन्द के ऑपरेशन कर रहा है। अब तक 1,40,000 से ज्यादा ऑपरेशन हो चुके हैं।

प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया और सभी वृद्धजनों का पगड़ी दुपट्टा पहनाकर एवं महिलाओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक (जनसम्पर्क) विजय चौहान, श्रीमती अलका जैन, श्रीमती आरती चित्तौड़ा एवं श्री राजकुमार उपस्थित थे।

गीतांजली में ध्वजारोहण

उदयपुर (ह. सं.)। गीतांजली यूनिवर्सिटी में गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे. पी. अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। विशिष्ट अतिथि वाईस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, वाईस चांसलर डॉ. एफ. एस मेहता थे। कार्यक्रम सीएचआरो डॉ. राजीव पंड्या के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर भव्य परेड एवं रंगारंग प्रस्तुतियां आयोजित हुई। गीतांजली में 10 वर्ष से कार्यरत डॉक्टर्स, फैकेलिटीज एवं एंप्लोईज को फैसिलिटेशन अवार्ड से नवाजा गया साथ ही विशिष्ट उपलब्धियों के लिए चांसलर अवार्ड भी दिए गए। अंत में 200 छात्रों ने एक ही स्टेज पर गाला प्रस्तुति दी। संचालन डॉ. राजीव पंड्या एवं डॉ. उदीची कटारिया ने किया।

मैं गांव-गांव का शिल्पकार

मैं गांव-गांव का शिल्पकार
मानव सपनों का सूत्रधार
मैं करने आया आज सभी का
खुशियों से अभिसार....
मेरे गीतों में गौरव है
मेहनत की मीठी भाषा का
मेरे रंगों में अंकित है
सूरज बहुरंगी आशा का
मैं देश प्रेम का पंथकार
मैं गांव-गांव का शिल्पकार...
मेरे निश्चय में साहस है
मिल-जुलकर कदम बढ़ाने का
मेरे जीवन में लिखा हुआ
इतिहास विजय बलिदानों का
मैं जन जीवन का चित्रकार
मैं गांव-गांव का शिल्पकार...
मेरे सपनों में अर्चन है
संस्कृति के नये विचारों का
भारत माता के चरणों में
अर्पित सुख चांद सितारों का
मैं लोकराज का अर्थकार
मैं गांव-गांव का शिल्पकार...
मेरे आंगन में आभा है
श्रम के नूतन अभियानों की
मेरे सर्जन में महक रही
सुधियां भावुक अरमानों की
मैं भारत का निर्माणकार
मानव सपनों का सूत्रधार
मैं गांव-गांव का शिल्पकार...

- वेदव्यास

राजस्थान विद्यापीठ में ध्वजारोहण

उदयपुर (ह. सं.)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि शहर विधायक

ताराचंद जैन, डॉ. लाखन पोसवाल, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, प्रो. जीएम मेहता ने झण्डारोहरण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। समारोह में एनसीसी केडेट्स, एयरविंग, होम्योपेथी चिकित्सा महाविद्यालय, फिजियोथेरेपी चिकित्सा महाविद्यालय, बीएड, एमएड, डी.एलएड, ओसीडीसी, कन्या महाविद्यालय के 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया।

इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 36 अकादमिक कार्यकर्ताओं को अतिथियों द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. रचना राठौड़, डॉ. मधु मुर्डिया ने किया।

रजिस्ट्रेशन नं. 1311 वाई दिनांक : 07.09.1963 फोन नम्बर (0294) 2413680, 2413522
PAN No. AAAAUO159K GST No. 08AAAAUO159K1ZD E MAIL ID - usutbludr@yahoo.com
उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.,
(Regd Under the Rajasthan Co-op. Societies Act.1953)
शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.) 313001
गणतंत्र दिवस पर भण्डार के सभी सदस्यों एवं उपभोक्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं
भण्डार के सदस्यों को वर्ष 2019-20 व 2020-21 का लाभांश वितरण किया जा रहा है राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रू. करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रू. जमा हैं वे 400 रू. ओर जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें।
(आशुतोष भट्ट)
प्रशासक एवं महाप्रबन्धक

निःशुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प
सोमवार से शनिवार तारा संस्थान
के नेत्र चिकित्सालय तारा नेत्रालय में निःशुल्क
PHACO पद्धति द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
नेत्र परीक्षण एवं लेन्स प्रत्यारोपण तथा चश्मे के नम्बर
236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),
उदयपुर - 313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002
Tel.: +912946622222
+917023509999
Web : www.narayanseva.org
E-mail : info@narayanseva.org

75 वां
गणतंत्र दिवस

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सभी प्रदेशवासियों को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

"राष्ट्र निर्माण में संवैधानिक मूल्यों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आइये, गणतंत्र दिवस पर इन मूल्यों का संरक्षण और संवर्द्धन करने का संकल्प लें और श्रम की पराकाष्ठा करते हुए प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में हम सहभागी हों।"

- **भजनलाल शर्मा,** मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

बाजार / समाचार

मांगीलाल-अल्का जैन के पुत्र सीए मृदुल का विवाह सीए अभय-नीता जारोली की पुत्री सीए महिमा के साथ 31 जनवरी 2024 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित मांगीलाल जैन, प्रात:काल के संस्थापक सुरेश गोयल, प्रात:काल के सम्पादक सुमित गोयल, शब्द रंजन के प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत, लोककलाविद् डॉ. महेन्द्र भानावत एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखा एवं सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. शूरवीरसिंह भाणावत।

आर्ची आर्केड में फूल और रंगोली से सजाये श्रीराम

उदयपुर (ह. सं.)। अयोध्या में प्रभु रामलला के ऐतिहासिक प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर उदयपुर में आर्ची आर्केड रेजिडेंशल वेल्फेयर सोसाइटी में जयश्री राम महोत्सव के तहत फूल और रंगोली से काम्प्लेक्स को सज्जित किया गया।

इसमे मोनिका कटारिया, प्रभा सेठी, ज्योति पारिख, सोनू शर्मा, प्रियंका अग्रवाल, रंजना भानावत आदि महिलाओं ने फूल, गुलाल, अबीर और दीये लगाकर इस अनुष्ठान में अपनी भागीदारी दी। इस दौरान सुंदरकांड पाठ भी किया गया।

एमजी मोटर इंडिया का सस्टेनेबल और प्रैक्टिकल मोबिलिटी सॉल्यूशन ड्राइव पहुंचा उदयपुर

उदयपुर (ह. सं.)। 100 सालों की समृद्ध विरासत वाला ब्रिटिश ऑटोमोबाइल ब्रांड एमजी (मॉरिस गैरेज) अपनी एमजी कॉमेट ईवी के साथ सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। पिछले साल, कंपनी ने एमजी कॉमेट - स्मार्ट ईवी को लांच किया था, जिसने देश में अर्बन मोबिलिटी/ शहरी गतिशीलता की नेक्स्ट जनरेशन/ अगली पीढ़ी के लिए नए मानक स्थापित किए हैं।

एमजी पीपीएस मोटर्स प्रा. लि. के जनरल मेनेजर नरेश शर्मा ने बताया कि यह एमजी मोटर इंडिया के पोर्टफोलियो में फ्यूचरिस्टिक और यूजर फ्रेंडली स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साथ दूसरी ईवी है। यह ईवी 10.25 हेड यूनिट और 10.25 डिजिटल क्लस्टर के साथ आती है। कॉमेट ईवी आईस्मार्ट इंफोटेनमेंट से सुसज्जित है, जो 50 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स की पेशकश करता है, जिसमें एसी स्टार्ट, लॉक, अनलॉक और स्टेटस चेक जैसे रिमोट व्हीकल फ़ंक्शन के साथ-साथ लाइव लोकेशन शेयरिंग और ट्रैकिंग शामिल है। यह ईवी को नियंत्रित करने के लिए 100 से अधिक वॉयस कमांड भी प्रदान करती है, जिसमें 35 से अधिक हिंग्लिश कमांड भी शामिल हैं। स्मार्ट ईवी सक्रिय और निष्क्रिय (एक्टिव एंड पैसिव) सेफ्टी फीचर्स जैसे डुअल फ्रंट एयरबैग, एबीएस + ईबीडी, फ्रंट और रियर थ्री पीटी, सीट बेल्ट, रियर पार्किंग कैमरा और सेंसर, टीपीएमएस (अप्रत्यक्ष) और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट आदि से सुसज्जित है। एमजी कॉमेट स्ट्रक्चरल सेफ्टी के लिए 17 हॉट स्टैम्पिंग पैनल और व्हीकल व बैटरी सेफ्टी के लिए 39 कड़े परीक्षणों से गुजरी है, जिससे यह एमजी के ग्राहकों के लिए एक सुरक्षित व्हीकल बन गई है। उन्होंने बताया कि कॉमेट ईवी तीन वैरिएंट्स पेस, प्ले और प्लस के साथ आती है, जिनकी कीमत क्रमश: 7.98 लाख रुपये, 9.28 लाख रुपये और 9.98 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। एमजी कॉमेट ईवी को पांच रंग के विकल्पों में पेश किया गया है, जिसमें डुअल टोन (एप्पल ग्रीन + स्टारी ब्लैक और कैंडी व्हाइट + स्टारी ब्लैक), एप्पल ग्रीन, कैंडी व्हाइट, ऑरोरा सिल्वर और स्टारी ब्लैक शामिल हैं।

राम मंदिर में फर्श पर पच्चीकारी चेतन द्वारा

उदयपुर (ह. सं.)। अयोध्या में बने श्रीरामलला के भव्य मंदिर में लगे मार्बल में पच्चीकारी (इनले) करने पर उदयपुर के युवा उद्यमी चेतन चौधरी एवं कारीगरों का सम्मान लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सम्मान किया।

लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष मनोज जोशी ने बताया कि श्रीराम मंदिर के गर्भगृह व मुख्य मण्डप के फर्श पर मकराना का मार्बल लगाया गया है। उस मार्बल पर रंगीन पत्थरों के समायोजन से सुंदर स्वरूप देने का कार्य उदयपुर के कारीगरों ने चेतन चौधरी के निर्देशन में किया। चौधरी ने बताया कि उन्हें निर्देश मिले थे कि पत्थर में पच्चीकारी के लिए उपयोग में लिए जाने वाले रंगीन पत्थर स्वदेशी ही होने चाहिए। उसी अनुरूप पच्चीकारी की गई। सामान्य रूप से पच्चीकारी के लिए 4 या 5 मिमी पत्थर कुरेदा जाता है, लेकिन श्रीराम मंदिर में 16 मिमी पत्थर कुरेद कर रंगीन व कीमती पत्थरों से पच्चीकारी की गई। यह कार्य उन्होंने डेढ़ माह में पूरा किया। उन्होंने बताया कि संसद के नए भवन में भी प्रमुख पच्चीकारी कार्य में भी उनका योगदान रहा।

इस अवसर पर कड़वास इकाई अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह, गुड़ली इकाई अध्यक्ष रवि शर्मा, सुखेर इकाई अध्यक्ष रॉबिन सिंह, मादड़ी इकाई अध्यक्ष हेमंत जैन, महिला इकाई अध्यक्ष सीमा पारीक, पूर्व महापौर रजनी डांगी, लघु उद्योग भारती की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीना राठौड़, पिंकी माण्डावत, यशवंत मण्डावरा, कलड़वास चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सुराणा, तरुण दवे, राकेश काबरा, अनुपम भटनागर, रोहित सिरोया, हितैष जैन, देवेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

रामचरित मानस का राजस्थानी में अनुवाद

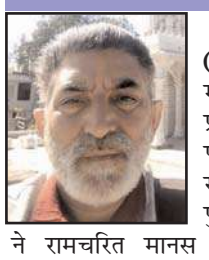

उदयपुर (ह. सं.)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर उदयपुर के राजस्थानी कवि पुष्कर 'गुसेश्वर' ने रामचरित मानस का मेवाड़ी में अनुवाद किया है। उन्होंने तीन साल पहले इसकी शुरूआत की और राम मंदिर प्रतिष्ठा 22 जनवरी से ठीक पहले इसे पूर्ण कर लिया। गुसेश्वर के अनुसार रामचरित मानस का राजस्थानी में एकमात्र समश्लोकी काव्य अनुवाद है।

डॉ. दिलीप धींग को 'राजस्थानश्री' सम्मान

चैन्नई। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग को 21 जनवरी को चेन्नई में उत्कृष्ट साहित्य साधना और विविध सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'राजस्थानश्री' अलंकरण से सम्मानित किया गया। तमिलनाडु में रहने वाले समग्र राजस्थानी समाज की प्रमुख संस्था राजस्थानी एसोसिएशन की ओर से यह सम्मान प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि जीतो अपेक्स के पूर्व चेयरमैन डॉ. नरेन्द्रकुमार ए. बलदोटा, विशिष्ट अतिथि पोलारिस के संस्थापक अरुण जैन, एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहनलाल बजाज, पुरस्कार समिति के अध्यक्ष सुभाषचंद रांका, मनोनीत अध्यक्ष प्रवीणकुमार टाटिया एवं पदाधिकारियों ने डॉ. धींग को शॉल, साफा, मुक्ताहार, प्रशस्ति और अश्वारूढ़ महाराणा प्रताप की स्वर्णिम प्रतिमा प्रदान करके सम्मानित किया। समारोह में डॉ. धींग के जीवन और उपलब्धियों का वीडियो दिखाया गया, जिसमें बम्बोरा, उदयपुर और मेवाड़ का गौरवशाली उल्लेख हुआ। इस सम्मान पर अनेक महानुभावों और संस्थाओं ने डॉ. धींग का अभिनंदन किया और कहा कि डॉ. धींग के सम्मान से पुरस्कार का गौरव बढ़ा है। प्रिया करनानी ने संचालन किया। -देवराज आच्छा

कानोड़ का हर्षित जैन बना आईएसएस अधिकारी

कानोड़ (ह. सं.)। शिक्षा नगरी कानोड़ के हर्षित अलावत (जैन) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से आयोजित भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) में ऑल इंडिया 14वीं रैंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। हर्षित के प्रथम बार कानोड़ आगमन पर नगरवासियों द्वारा भव्य सम्मान किया गया।

बेटे की सफलता पर माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। हर्षित ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को दिया। हर्षित अब अपनी सेवाएं भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में देंगे। इससे पूर्व गत दिनों कानोड़ के प्रतीक मेहरी (जैन) आरएएस अधिकारी बने थे।

नीमजमाता पर दूसरे रोप-वे का शुभारंभ

उदयपुर (ह. सं.)। फतहसागर झील के किनारे ऊंची पहाड़ी पर स्थित नीमज माता मंदिर तक पहुंचने के लिए रोप-वे का शुभारंभ असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने किया। यह शहर का दूसरा रोप-वे है। पहला रोप-वे दूधतलाई पर है।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि प्रकृति ने मेवाड़ को दो-दो हाथों से सौगातें दी है, तो हमारे पूर्वजों ने गौरवशाली इतिहास दिया है। हम सभी का दायित्व है कि उदयपुर आने वाला पर्यटक केवल यहां की झीलें और प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं रहे। नीमज माता मंदिर जन आस्था का केंद्र है। ऊंचाई पर होने से दर्शनार्थी और पर्यटक आसानी से नहीं पहुंच पाते थे, खास कर बुजुर्गों को बहुत अधिक परेशानी उठानी पड़ रही थी, लेकिन अब वे भी अपनी आराध्य देवी के दर्शन आसानी से कर पाएंगे।

रोप-वे संचालक फर्म दामोदर रोप पे इंफ्रा लि. के तकनीकी निदेशक श्रवण अग्रवाल, जीडी पोदार, राज्यपाल कटारिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, महापौर गोविन्द टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी, पूर्व यूआईटी अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, संभागीय मुख्य वन संरक्षक आरके सिंह, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) आरके जैन आदि का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में कटारिया ने सात पूर्व पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता के प्रमाणपत्र वितरित किए।

तीन मिनट का होगा सफर :

नीमज माता मंदिर स्थल तक रोप-वे से सफर तीन मिनट में पूरा किया जायेगा। मंदिर स्थल तक जाने एवं पुन: उतरते वक्त रोप-वे के मध्य में एक मिनट का ठहराव रखा गया है जिससे शहरवासी एवं पर्यटक शहर के नैसर्गिक सौन्दर्य के विहंगम दृश्य से आनन्दित हो सकेंगे।

फैबइंडिया ने लांच किया 'द बिग स्प्रिंग' कलेक्शन

उदयपुर (ह. सं.)। फैबइंडिया ने फैशन और लाइफस्टाइल के प्रेमियों के लिए 'द बिग स्प्रिंग' कलेक्शन लॉन्च किया है। यह पेशकश पारंपरिक हस्तशिल्प और उचित मूल्यवर्धित उत्पादों का मिलन है। 'द बिग स्प्रिंग' 9 जनवरी से 350 से अधिक फैबइंडिया स्टोर पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, फैबइंडियाडाटकॉम और फैब इंडिया ऐप के माध्यम से ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है। बिग स्प्रिंग कलेक्शन एक अद्वितीय संगम है जहाँ पारंपरिक परिधान और सौम्यता का मिलन होता है। इस श्रृंखला में संरक्षित और स्थायी वस्त्र न केवल वसंत के उत्साह को जीवंत करते हैं, बल्कि यह फैबइंडिया के द्वारा प्रस्तुत फैशन और कला की श्रेष्ठता का प्रतीक भी है।

फैबइंडिया के रिटेल प्रेसिडेंट, अजय कपूर ने बताया कि हम भारतीय हैंड ब्लॉक प्रिंट, पारंपरिक बुनकरी शिल्प से सजे कॉटन, फाइन लिनेन में ऑफिस, घर, सफर के पहनावों से लेकर समारोहों और शादियों के लिए बुनकरी सिल्क और सिल्क ब्लेंड पेश करते हैं। हम सभी स्टोरों में ग्राहकों को खरीदारी का यादगार अनुभव दे रहे हैं।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

PIMS पिम्स हॉस्पिटल उमरड़ा

सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल

निःशुल्क महाशिविर

29 जनवरी 2024 से 29 फरवरी 2024

डॉ. एन. के. गुप्ता जनरल मेडिसिन | डॉ. विवेक सावत कार्डिओ थोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जन | डॉ. सचिन जैन ऑन्कोलॉजिस्ट | डॉ. अतुल मिश्रा पीडियाट्रिक सर्जन | डॉ. राजेश खोईवाल न्यूरोलॉजिस्ट | डॉ. महेश जैन इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट | डॉ. अनुराग पटेरिया न्यूरोसर्जन | डॉ. साहिल परमार गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट | डॉ. शैलेश पाटीदार सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट | डॉ. कौशल कुमार गुप्ता यूरोलॉजिस्ट | डॉ. सुरेश चंद्र गोयल पीडियाट्रिशियन

डॉ. प्रवीण खैरकर मनोचिकित्सक | डॉ. हरीराम रेडियोलॉजिस्ट | डॉ. सानिध्य टाक टी बी एवं चेस्ट | डॉ. विक्रम सिंह राठौड़ ईएनटी सर्जन | डॉ. बी. ऐल. कुमार ऑर्थोपेडिशियन | डॉ. अर्चना शर्मा स्त्री रोग विशेषज्ञ | डॉ. कमलेश शेखावत क्रिटिकल केयर | डॉ. एम. पी. अग्रवाल प्लास्टिक एवं बर्न सर्जन | डॉ. प्रेम प्रकाश शर्मा जनरल सर्जन | डॉ. शिवांगी शर्मा चर्म रोग विशेषज्ञ | डॉ. विवेक पराशर पीडियाट्रिशियन | डॉ. नितिन सिंह नेत्र–विशेषज्ञ

निःशुल्क जाँचे

मैमोग्राफी । इकोकार्डियोग्राफी । टीएमटी । लिवर इलास्टोग्राफी (फैटी लीवर) । प्रेगनेंसी सोनोग्राफी । अनोमली स्कैन । एनटी स्कैन । फीटल इको । फीटल कलर डॉपलर । फेफड़ों की दूरबीन से जांच (ब्रोंकोस्कॉपी) । दूरबीन से पेट व आंतों की जांच (एंडोस्कोपी) । ऑडियोमेट्री । बेरा । सुनने की जांच । खून की जांच । सीबीसी । कोलेस्ट्रॉल । कैल्शियम । किडनी लिवर व थायराइड की जांच । बच्चेदानी के मुंह की जांच (पैप स्मीयर) । फ्री डायलिसिस । फ्री नॉर्मल व सिजेरियन डिलीवरी 24•7 । फ्री हर्निया हाइड्रोसील फिशर अपेंडिक्स ऑपरेशन । सोनोग्राफी कंप्लीट। ईसीजी । रैंडम ब्लड शुगर (आर. बी. एस.)

सस्ती दरो में जाँचे एवं ऑपरेशन

₹ 10,000/- मात्र

- किडनी की पथरी (दूरबीन से)
- पित्ताशय की पथरी (दूरबीन से)
- मूत्र नली में रुकावट (दूरबीन से)
- प्रोस्टेट (दूरबीन से)

- बच्चेदानी का ऑपरेशन (दूरबीन से) ₹ 5000/–
- निसंतानता से संबंधित सभी जांचे और कंसल्टेशन ₹ 2000/–
- नाक कान गले की बीमारियों के सामान्य ऑपरेशन ₹ 2000/–
- सियाटीका (डिस्क) का ऑपरेशन ₹ 18000/–

- सीटी स्कैन (NCCT) - ₹ 800/–
- एम आर आई - ₹ 1200/–
- एंजियोग्राफी - ₹ 3000/–
- एंजियोप्लास्टी - ₹ 50,000/–

चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना | RGHS Rajasthan Government Health Scheme | ESIC | ECHS | जननी सुरक्षा योजना

सरकारी योजनाओं में निशुल्क इलाज।
सभी इंश्योरेंस एवं टीपीए कैशलैस इलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल।

ब्लड सेंटर | 140 बेडेड आई. सी. यु. | 19 ऑपरेशन थिएटर | 1300 बेड की सुविधा | आई. सी. यु. एम्बुलेंस | 24X7 सुविधा

महाशिविर में न्यूरो सर्जरी, पीडियाट्रिक सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, ऑनकोसर्जरी, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, यूरो सर्जरी के ऑपरेशन बहुत ही रियायती दरों पर किए जाएंगे। निर्धारित रूटों पर फ्री बस सेवा।

PIMS पिम्स हॉस्पिटल उमरड़ा

उमरड़ा रेलवे स्टेशन, उदयपुर (राज.) 313015
फोन 0294–3510000

web : www.pacificmedicalsciences.ac.in | email : www.info@pacificmedicalsciences.ac.in

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा नये कालचक्र का उद्‌गम : मोदी

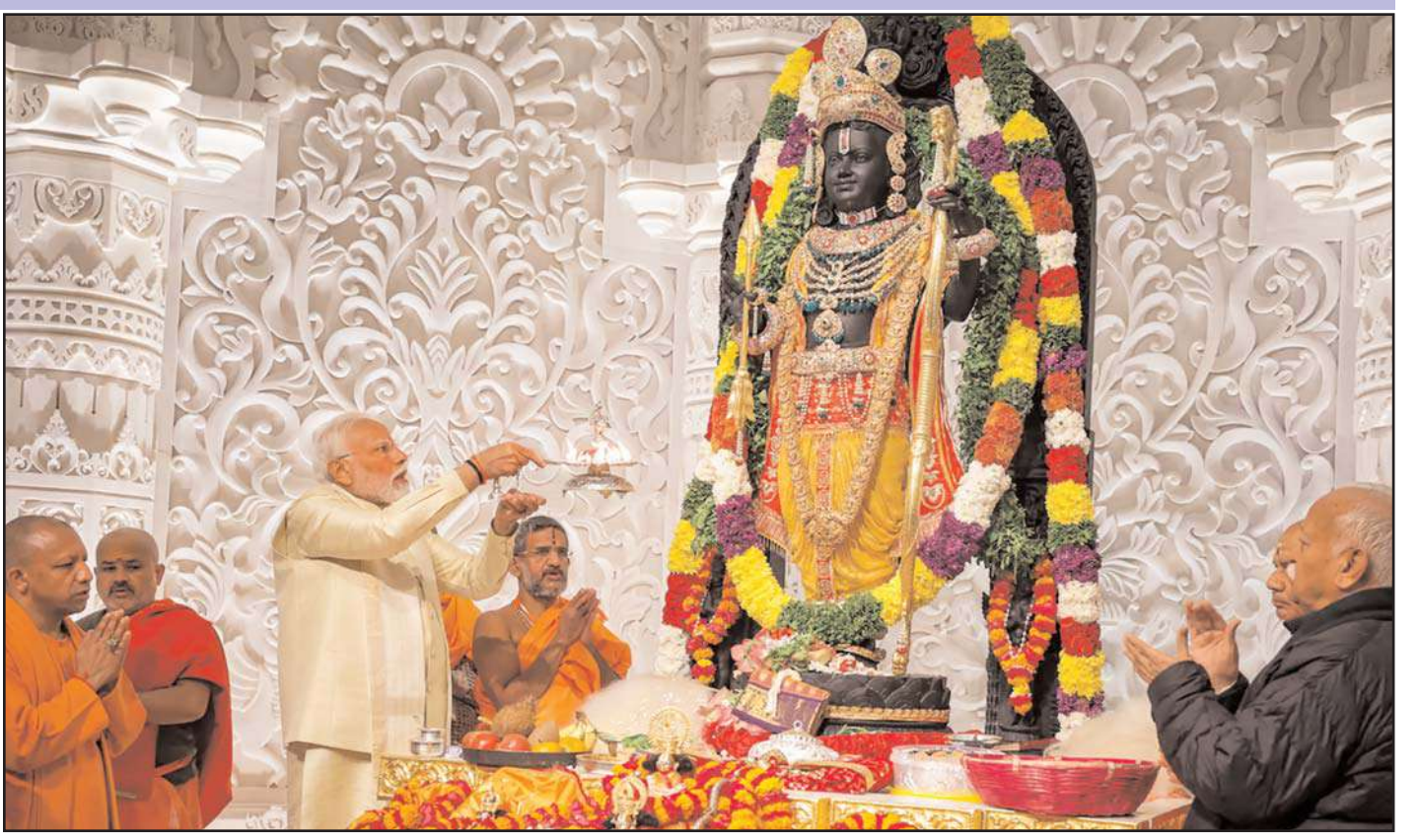

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान द्वारा सम्पन्न हुई। मोदी दोपहर 12 बजे हल्का पीला धोती-कुर्ता पहने, हाथ में थाल में श्रीराम के लिए चांदी का छत्र लिए मंदिर आए। ठीक 12.05 बजे गर्भगृह में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा शुरू हुई, जो करीब घंटेभर चली। स्थापना पूर्व मोदी ने मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। संतों ने उन्हें उपहार स्वरूप सोने की अंगूठी भेंट की। प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी ने मंदिर परिसर में मौजूद लोगों के सामने 11 दिन का व्रत तोड़ा।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है। श्रीराम का मंदिर मिला है। 22 जनवरी, 2024 का सूरज एक अद्‌भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्‌गम है। लोग इसे हजारों साल याद करेंगे।

मोदी ने कहा कि भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान हैं। दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व पर कानूनी लड़ाई चली। मैं न्यायपालिका का शुक्रगुजार हूं कि उसने लाज रख ली।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। जब भी उन्होंने इतिहास की गांठें सुलझाने का प्रयास किया मुश्किल परिस्थितियां बन गईं। हमने जिस गांठ को भावुकता और समझदारी के साथ खोला है, वो बताता है कि भविष्य बहुत सुंदर होने जा रहा है। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी किंतु राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। विवाद नहीं, समाधान हैं। हमारे नहीं, सबके हैं। वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। यह मंदिर देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत के विचार-विधान हैं। राम भारत के चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता हैं। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर युग में लोगों ने राम को जिया है। राम-रस निरंतर बहता रहता है। आज के इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद किया जाना चाहिये जिनकी वजह से हम यह शुभ दिन देख रहे हैं। हम कारसेवकों, संत-महात्माओं के ऋणी हैं। उन्होंने कहा कि युवाशक्ति चांद पर तिरंगा फहरा रही है तो 15 लाख किमी दूर अंतरिक्ष में यान पहुंचा रही है। आने वाला समय अब सफलता की सिद्धि का है।

दूसरी प्रतिमा

तीसरी प्रतिमा

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 500 साल बाद रामलला यहां लौटे हैं। रामलला के साथ भारत का स्व लौट कर आया है। हमें सबको साथ लेकर चलना है और अब विवादों से बचना होगा। अयोध्या में रामलला के साथ भारत का गर्व लौटकर आया है। प्रधानमंत्री ने यहां आने से पहले जितना कठोर तप रखा जाना चाहिए था, उससे ज्यादा कठिन तप रखा। मैं जानता हूं, वे महातपस्वी हैं।

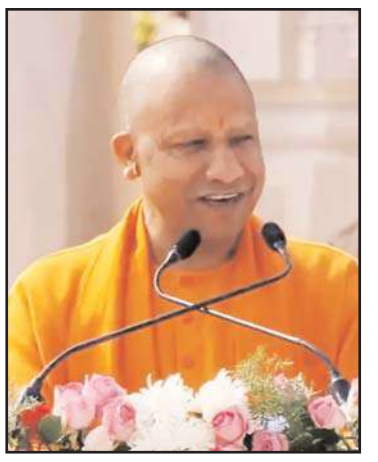

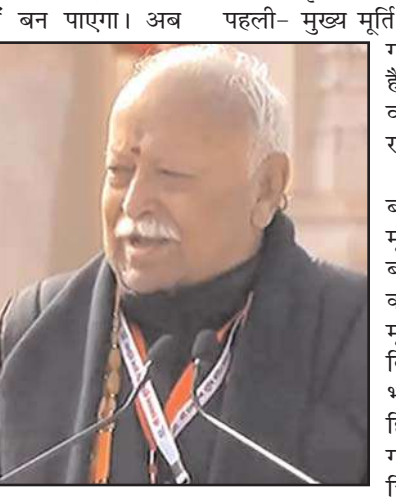

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु राम की कृपा से अब कोई अयोध्या की परिक्रमा में बाधा नहीं बन पाएगा। अब अयोध्या की गलियां गड़गड़ाहट से नहीं श्रीराम नाम से गूंजेंगी। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर ग्राम, हर नगर अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं। यह राम राज्य की शुरुआत है। ऐसा लगता है हम त्रेता युग में प्रवेश कर गए हैं।

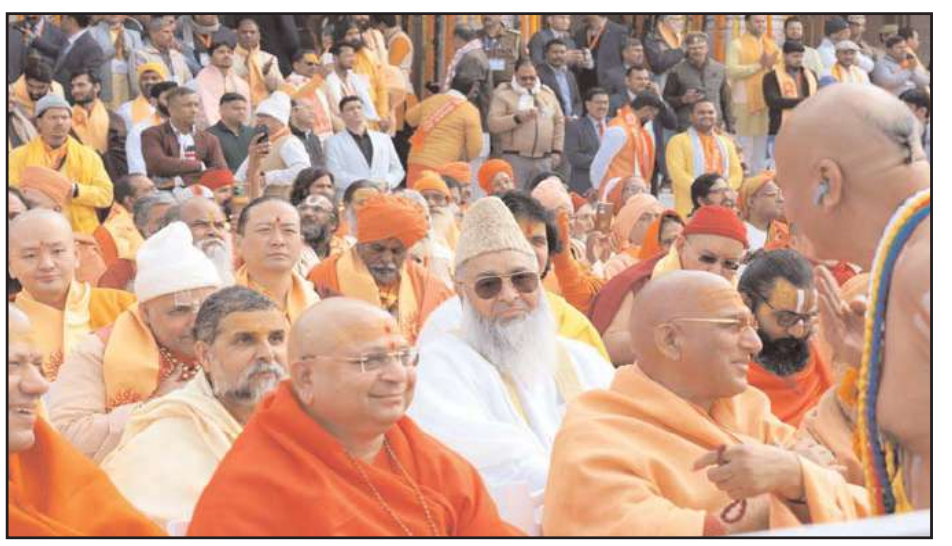

गर्भगृह में तीन मूर्तियां स्थापित :

गर्भगृह में तीन मूर्तियां स्थापित की गई हैं। पहली- मुख्य मूर्ति है, जिसकी प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। दूसरी- चांदी की मूर्ति है जो चल है। तीसरी- मूर्ति वह है, जो अस्थाई मंदिर में रखी गई थी।

यह मूर्ति कृष्ण शैली में बनी हुई है। इसे कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है। योगीराज ने प्रतिमा को एक ही पत्थर से बनाया है। मूर्ति में श्रीराम के साथ ही विष्णुजी के दसों अवतारों के भी दर्शन होंगे। मूर्ति के ऊपरी हिस्से में ॐ, पद्म, चक्र, सूर्य, गदा, शंख और स्वस्तिक के चिह्न भी बनाए गए हैं।

रामलला का अतुलनीय शृंगार :

रामलला के रूप में सिंहासन पर विराजमान पांच साल के 'बालक राम' के सोने के आभूषणों का श्रृंगार देख लोग भाव-विभोर हो गए। ट्रस्ट सूत्रों के मुताबिक, 200 किलो की प्रतिमा को 5 किलो सोने के जेवरात पहनाए गए हैं। नख से ललाट तक भगवान जवाहरातों से सजे हुए हैं। रामलला ने सिर पर सोने का मुकुट पहना है। मुकुट में माणिक्य, पन्ना और हीरे लगे हैं। बीच में सूर्य अंकित हैं। दायीं ओर मोतियों की लड़ियां हैं वहीं, कुंडल में मयूर आकृतियां बनी हैं। इसमें भी सोना, हीरा, माणिक्य और पन्ना लगा है। ललाट पर मंगल तिलक है। इसे हीरे और माणिक्य से बनाया है। कमर में रत्न जड़ित करधनी है। इसमें छोटी-छोटी पांच घंटियां भी लगाई हैं। दोनों हाथों में रत्न जड़े कंगन हैं। बाएं हाथ में सोने का धनुष और दाहिने में सोने का बाण है।

अब आप शब्द रंजन समाचार पत्र इस लिंक पर भी पढ़ सकते हैं- https://thetimesofu-daipur.com/shabd-ranjan/

एक्मे का आईपीओ जल्द लॉन्च होगा

उदयपुर (ह. सं.)। संभाग में विगत 27 वर्षों से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पंजीकृत, फाईनेंस क्षेत्र में अग्रणी कम्पनी एक्मे फिनट्रेड इण्डिया लि. जल्द ही अपना आईपीओ लाकर एनएसई एवं बीएसई के मुख्य बोर्ड पर लिस्ट होने जा रही है। चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मलकुमार जैन ने बताया कि मार्च में कंपनी अपना आईपीओ लेकर आ रही है, जिसके

अन्तर्गत बाजार से लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश लेने का लक्ष्य है। डॉ. सीएस रौनक झुठावत ने बताया कि आज से 27 वर्ष पूर्व कम्पनी का गठन जैनाचार्य कुन्थुसागर महाराज के आशीर्वाद, प्रेरणा एवं उनके नाम पर रखा गया था। प्रेसवार्ता को कम्पनी की सीएफओ सीए रजनी गहलोत, बोर्ड एडवाईजर सीए आकाश जैन, डायरेक्टर राजेन्द्र चित्तौड़ा, रमेशकुमार जैन, सीआरओ सुरेशचंद्र गुप्ता ने भी संबांधित किया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर - 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294-2429291, मोबाइल - 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।